

# पाठ्यक्रम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक

## हिन्दी (अनिवार्य)

बी.ए. प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

### निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन :

- निर्धारित पाठ्यपुस्तक-मध्यकालीन काव्य-कुंज : सं. डॉ. रामसजन पाण्डेय  
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज, रोहतक।  
36 अंक
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल 26 अंक
- काव्यशास्त्र 10 अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 8 अंक

### खण्ड (क) : मध्यकालीन काव्य-कुंज

- पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्य  
कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, बिहारी, घनानंद, रसखान

### निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

### खण्ड (ख) : हिन्दी साहित्य का आदिकाल

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
2. आदिकाल का नामकरण
3. आदिकाल की परिस्थितियाँ
4. आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
5. रासोकाव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

### खण्ड (ग) : काव्यशास्त्र पर आधारित विषय

1. काव्य के तत्त्व
  2. रस : स्वरूप और अंग
  3. रस के भेद
  4. अलंकार : अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति, छंद-दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी
- शब्द-शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना  
काव्य-गुण : प्रसाद, माधुर्य और ओज

# पाठ्यक्रम

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

हिन्दी (अनिवार्य)

बी.ए. द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

<input type="checkbox"/> आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक	36 अंक
<input type="checkbox"/> हिंदी साहित्य का रीतिकाल	26 अंक
<input type="checkbox"/> प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कम्प्यूटिंग और अनुवाद	10 अंक
<input type="checkbox"/> वस्तुनिष्ठ प्रश्न	8 अंक

खण्ड-क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्य-पुस्तक

- तृतीय सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक-निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग तैयार करेगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्य-पुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए।
- प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा—
  1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
  2. मैथिलीशरण गुप्त
  3. जयशंकर प्रसाद
  4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
  5. महादेवी वर्मा
  6. रामधारी सिंह दिनकर
  7. भारतभूषण अग्रवाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
2. रीतिकाल का नामकरण
3. रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
4. रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ
5. रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

# पाठ्यक्रम

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र एवं  
चौ० देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

बी०ए० तृतीय वर्ष (पञ्चम सेमेस्टर)  
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं अंक विभाजन

- |   |        |
|---|--------|
| ● समकालीन हिन्दी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक         | 40 अंक |
| ● हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता                | 20 अंक |
| ● प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्र-लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन | 10 अंक |
| ● वस्तुनिष्ठ प्रश्न                                   | 10 अंक |

खण्ड-क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्य-पुस्तक

पञ्चम सेमेस्टर हिन्दी (अनिवार्य) की समकालीन हिन्दी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक-निर्माण के साथ किया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग तैयार करेगा। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्य-पुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा—

- |   |                  |
|---|------------------|
| 1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' | 2. धर्मवीर भारती |
| 3. श्रीनरेश मेहता                           | 4. नागार्जुन     |
| 5. रघुवीर सहाय                              | 6. कुँवर नारायण  |
| 7. लीलाधर जगूड़ी                            |                  |

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख : हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- |  |   |
|--|---|
| 1. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ | 2. द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ |
| 3. छायावाद                                     | 4. प्रगतिवाद                                  |
| 5. प्रयोगवाद                                   | 6. नयी कविता                                  |
| 7. समकालीन कविता                               |   |

खण्ड-ग : प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्र-लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

- |   |           |
|---|-----------|
| 1. पत्र-लेखन : स्वरूप और उसके विविध भेद | 4. पल्लवन |
| 2. संक्षेपण                             |           |

खण्ड-घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

# पाठ्यक्रम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

हिन्दी (अनिवार्य) तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यग्रंथ :

अभिनव काव्य गरिमा, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक का प्रकाशन

इस पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित चार कवि और उनका काव्य निर्धारित किए गए हैं—

मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और रामधारी सिंह 'दिनकर'।

निर्देश—

खण्ड : एक (काव्य)

1. पाठ्यपुस्तक से दिए गए चार अवतरणों में से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पाठ्यग्रंथ में दिए गए कवियों में से दो का साहित्यिक परिचय पूछा जाएगा, परीक्षार्थी को किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखना होगा। इसके लिए 6 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार, इस खण्ड के लिए कुल 18 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : दो (निबन्ध-लेखन)

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित आठ विषयों में से पूछे गए पाँच विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।  
विषय—(1) मानवाधिकार, (2) नैतिक शिक्षा, (3) मद्यनिषेध, (4) विज्ञान और औद्योगिकरण, (5) वैज्ञानिक प्रगति में भारत का योगदान, (6) वैश्वीकरण और विज्ञान, (7) दूरदर्शन, (8) वैश्वीकरण और विज्ञान।

खण्ड : तीन (पत्र-लेखन)

3. सरकारी पत्रों में से पूछे गए दो पत्रों में से एक पत्र लिखना होगा। इसके लिए 9 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : चार (विज्ञानिक शब्दावली)

4. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित 50 अंग्रेजी शब्दों में से पूछे गए किन्हीं दस शब्दों के हिन्दी-तकनीकी-अर्थ लिखने होंगे। इनके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

1. Aeronautics	2. Afforestation	3. Alloy
4. Amplifiers	5. Analysis	6. Antibodies
7. Atmosphere	8. Biconvex Lens	9. Calculating Machine
10. Calibration	11. Caliation	12. Capillary
13. Capillary	14. Caustic	15. Central axis
16. Cerebrum	17. Chromosomes	18. Cluster
19. Coefficient	20. Compound	21. Condensation
22. Convention	23. Convex	24. Comet
25. Decomposition	26. Deflection	27. Dehydration
28. Diffusion	29. Distillation	30. Ecology
31. Elasticity	32. Lector osmores	33. Equilibrium
34. Equivalent	35. Endothmic	36. Extraction
37. Fermentation	38. Fertilization	39. Freezing
40. Fission	41. Formula	42. Friction
43. Galvanometer	44. Galvanometer	45. Germicide
46. Gland	47. Graft	48. Heater
49. Homologus	50. Hybrid	